जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं कार्यालय की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ-विशेष रुप से हिंदी कार्यकलापों के परिपक्ष्य में

अपर्णा.महेंद्र. खेडकर

जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं,

भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे

प्रस्तुतीकरण की रुपरेखा

- जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं कार्यालय के अंतर्गत 7 समुहों को 7 विभिन्न कार्य में विभक्त किया गया हैं।
- इस कार्यालय का प्रमुख कार्य भारत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए जलवायु निगरानी, जलवायु पूर्वानुमान, देश के विभिन्न भागों के लिए कृषि मौसम सलाहकारी सेवा, उपकरण की आपूर्ति एवं रखरखाव करना हैं।
- देश - विदेश के विभिन्न कार्यालयों कार्मिको तथा तीनों रक्षा सेवाओं से नामित प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देना।
- हिंदी कार्य नियमित रूप से करना हिंदी कार्यशालाओं, पखवाड़ा, द्विभाषी तकनिकी बुलेटिनों का प्रकाशन, हिंदी पत्रिका किरणें का प्रकाशन, तकनिकी विषय पर हिंदी व्याख्यान आयोजन करना, इत्यादि।

इतिहास

भारत मौसम विज्ञान का मुख्यालय पूना स्थानांतरित होने से पूर्व शिमाला में स्थित था। मुख्यालय शिमला से पूना में 1926 को स्थानांतरित हुआ। 1 अप्रैल 1928 से पूना से अखिल भारतीय मौसम रिपोर्ट का प्रकाशन आंरभ हुआ और जून 1928 को भवन पूर्णत: तैयार हुआ और 20 जुलाई 1928 को भारत मौसम विज्ञान विभाग के नए भवन का उद्घाटन गवर्नर जनरल एग्वीक्यूटिव काउंसिल के महामहिम सरसी सिल मैक वाटर्स की उपस्थिति में बम्बई के राज्यपाल सर लेजली ऑरमे विल्सन ने किया।

1 जनवरी 2017 से भारत मौसम विज्ञान विभाग के पुणे स्थित कार्यालय को 'जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं ' के नाम से जाना जाता है।

कार्यालय 7 वैज्ञानिक 'एफ' के अधिन 7 समूहों में विभक्त किया गया हैं, जिनमें अनेक अनुभाग हैं जो कार्यालय के विभिन्न काम- काज सुचारु रुप से करते है।

सतह उपकरण

सतह उपकरण के अंतर्गत स्वचलित मौसम स्टेशन / स्वचलित वर्षा मापी के उपकरण और विकिरण नेटवर्क/ एंर्टाक्टिका सेल/ उपकरण युनिट /उपकरणों का परीक्षण एवं जाँच /सतह वेधाशाला/ उच्च पवन गति रडार/ विमानन नेटवर्क / सतह उपकरण वेधाशाला नेटवर्क आदि का समावेश होता है।

सतह उपकरण समूह उपकरणों को तैयार करना और उनका रखरखाव, दाब, तापमान, आर्द्रता, हवा की गति और वर्षा के काम कर रहे हैं। उपकरण को स्थापित करना एवं खरीदारी करना बेचाना का कार्य करना ।

कृषि मौसम विज्ञान

भारत में कृषि मौसम परामर्श सेवाएं किसानों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करती हैं तथा मौसम पर आधारित फसल/ मवेशियों के प्रबंधन की रणनीति बनाने तथा फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में समर्पित कार्यों में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं। इनसे किसानों को अनुकूल मौसम का लाभ उठाने और खराब मौसम के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में सहायता प्रदान करके कृषि उत्पादन में अद्भुत अंतर लाया जा सकता है।

विशेष रूप से डी डी किसान, दूरदर्शन के लिए बुलेटिन तथा किसानों के लिए एसएमएस सेवाएं हिंदी तथा मराठी में दी जाती है ।

कृषि संबंधी मौसम शब्दावली हिंदी में तैयार की गई है ।

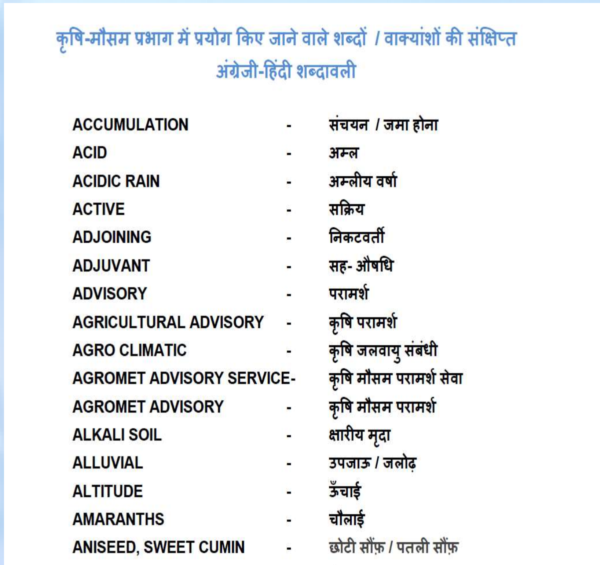

कृषि-मौसम प्रभाग में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों / वाक्यांशों की संक्षिप्त अंग्रेजी-हिंदी शब्दावली

ACCUMULATION	-	संचयन / जमा होना
ACID	-	अम्ल
ACIDIC RAIN	-	अम्लीय वर्षा
ACTIVE	-	सक्रिय
ADJOINING	-	निकटवर्ती
ADJUVANT	-	सह- औषधि
ADVISORY	-	परामर्श
AGRICULTURAL ADVISORY	-	कृषि परामर्श
AGRO CLIMATIC	-	कृषि जलवायु संबंधी
AGROMET ADVISORY SERVICE	-	कृषि मौसम परामर्श सेवा
AGROMET ADVISORY	-	कृषि मौसम परामर्श
ALKALI SOIL	-	क्षारीय मृदा
ALLUVIAL	-	उपजाऊ / जलोढ़
ALTITUDE	-	ऊँचाई
AMARANTHS	-	चौलाई
ANISEED, SWEET CUMIN	-	छोटी सौंफ़ / पतली सौंफ़

प्रकाशन

❖मानसून से संबंधित दीर्घावधि पूर्वानुमान की प्रेस विज्ञप्तियाँ हिंदी में भी जारी किए जाते हैं ।

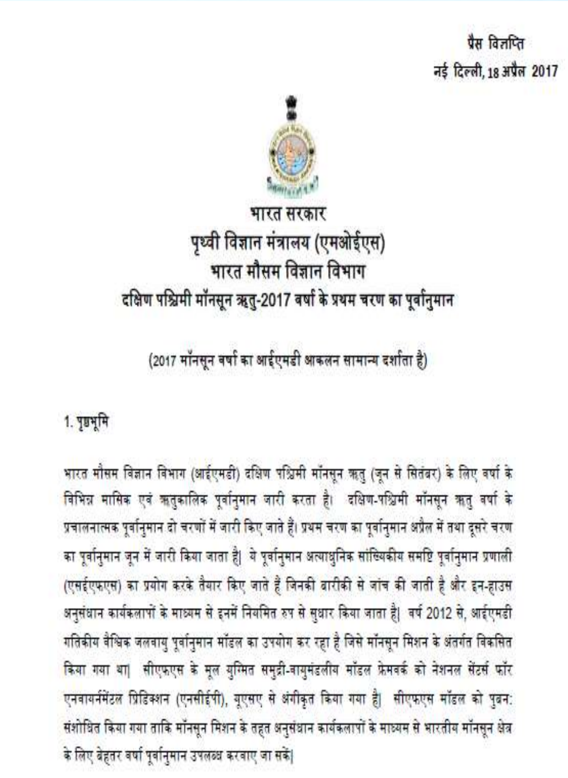

प्रैस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 18 अप्रैल 2017

भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस)

भारत मौसम विज्ञान विभाग

दक्षिण पश्चिमी मॉनसून ऋतु-2017 वर्षा के प्रथम चरण का पूर्वानुमान

(2017 मॉनसून वर्षा का आईएमडी आकलन सामान्य दर्शाता है)

1. पृष्ठभूमि

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) दक्षिण पश्चिमी मॉनसून ऋतु (जून से सितंबर) के लिए वर्षा के विभिन्न मासिक एवं ऋतुकालिक पूर्वानुमान जारी करता है। दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून ऋतु वर्षा के प्रचालनात्मक पूर्वानुमान दो चरणों में जारी किए जाते हैं। प्रथम चरण का पूर्वानुमान अप्रैल में तथा दूसरे चरण का पूर्वानुमान जून में जारी किया जाता है| ये पूर्वानुमान अत्याधुनिक सांख्यिकीय समष्टि पूर्वानुमान प्रणाली (एसईएफएस) का प्रयोग करके तैयार किए जाते हैं जिनकी बारीकी से जांच की जाती है और इन-हाउस अनुसंधान कार्यकलापों के माध्यम से इनमें नियमित रुप से सुधार किया जाता है| वर्ष 2012 से, आईएमडी गतिकीय वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग कर रहा है जिसे मॉनसून मिशन के अंतर्गत विकसित किया गया था| सीएफएस के मूल युग्मित समुद्री-वायुमंडलीय मॉडल फ्रेमवर्क को नेशनल सेंटर्स फॉर एनवायर्नमेंटल प्रिडिक्शन (एनसीईपी), यूएसए से अंगीकृत किया गया है| सीएफएस मॉडल को पुनः संशोधित किया गया ताकि मॉनसून मिशन के तहत अनुसंधान कार्यकलापों के माध्यम से भारतीय मॉनसून क्षेत्र के लिए बेहतर वर्षा पूर्वानुमान उपलब्ध करवाए जा सकें|

❖भारत का जलवायु नैदानिक बुलेटिन तथा वार्षिक जलवायु सारांश का प्रकाशन द्विभाषीय रूप में होता है।

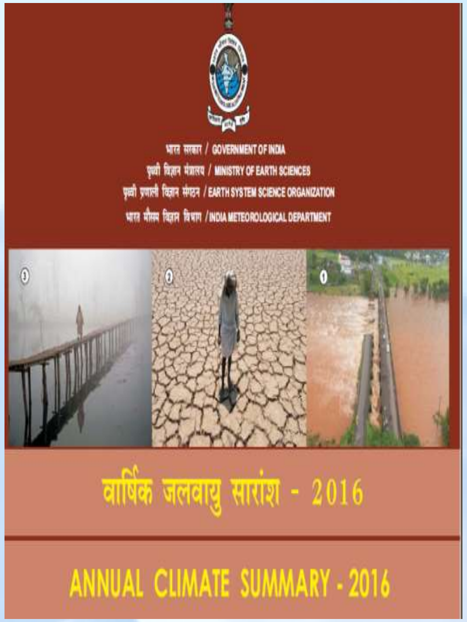

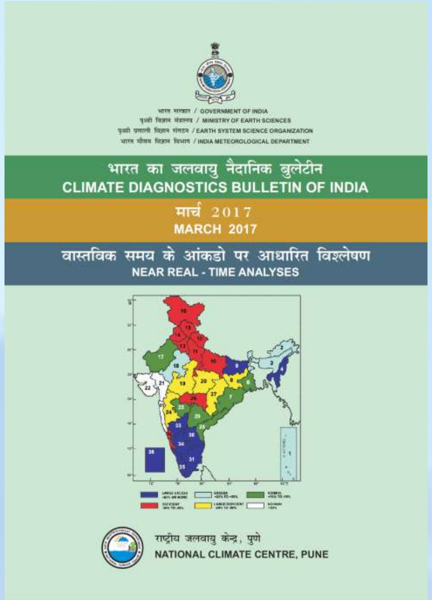

❖ भारतीय स्टेशनों के तापमान तथा वर्षा के चरममान, रेडिओ सौंडे और रेडिओ विंड के मासिक सामान्य मूल्य भारतीय स्टेशनों के लिए(1971-2000) आदि के आमुख हिंदी तैयार किए गए।

प्रशिक्षण

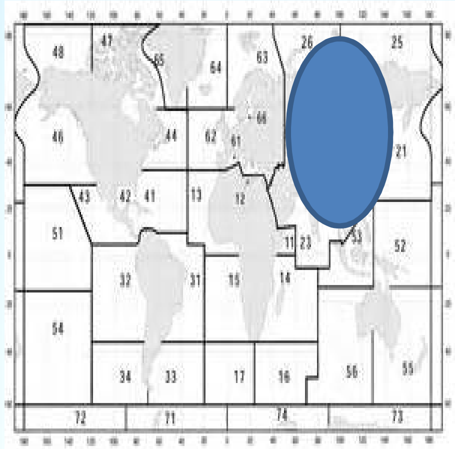

विश्व मौसम संगठन द्वारा आयोजित तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। देश –विदेश के (आर ए II क्षेत्र) के मौसम वैज्ञानिको प्रशिक्षण दिया जाता है।

देश के तीनों रक्षा सेवाओं नामित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देना भी इस कार्यालय की अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधि है ।

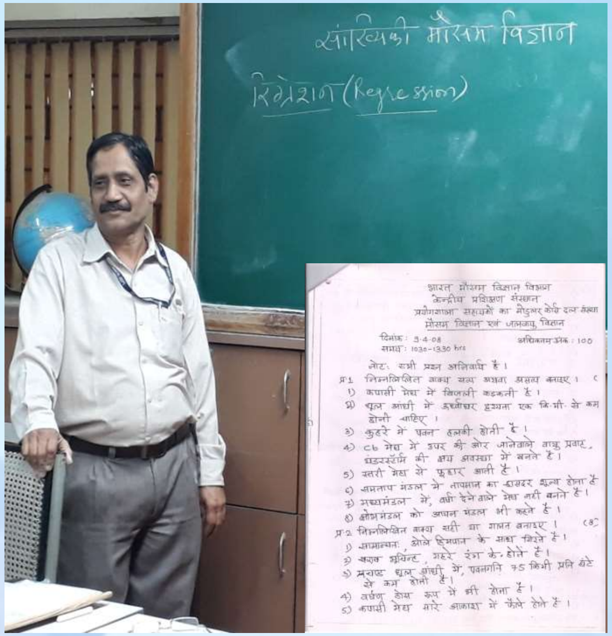

विभागीय प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री की आपूर्ति हिंदी में भी की जाती है, तथा प्रश्नपत्र द्विभाषी होते हैं ।

हिंदी में तकनीकी व्याख्यान

डॉ. ए.के. सहाय प्रमुख, जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं,

- ❖ जलवायु परिवर्तन और भारतीय कृषि पर इसका प्रभाव
- ❖ भारतवर्ष में जलवायु सेवाओं की बढ़ोत्तरी में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की नवीनतम पहल
- ❖ मानसून पूर्वानुमान में वायु-समुद्र अन्योन्य क्रियाओं की भूमिका तथा वर्ष 2015-16 में पूर्वानुमान की स्थिति
- ❖ "मानसून पूर्वानुमान में वायु-समुद्र अन्योन्य क्रियाओं की भूमिका तथा वर्ष 2015-16 में पूर्वानुमान की समीक्षा"

डॉ. एन.सी.चाटोपध्याय वैज्ञानिक 'एफ' कृषि मौसम प्रमुख

- ❖ "कृषकों को जलवायु के अनुसार चतुर(जलवायु-स्मार्ट) बनाने हेतु मौसम पूर्वानुमान के साथ जलवायु सेवाओं का विकास"

- ➢हिंदी में तकनीकी व्याख्यान की श्रृखंला में सर्वप्रथम डॉ. ए.के. सहाय प्रमुख, जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं,
का व्याख्यान हुआ
- ➢ग्लोबल वार्मिंग– श्रीमती लता श्रीधर
- ➢अंटार्कटिका अभियान-श्री अशोक खुटवड

हिंदी एकक का दायित्व

❖सभी को हिंदी में कार्य में करने के लिए प्रेरित करना।
❖हिंदी प्रगति की तिमाही, छमाही तथा वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना और भेजना ।
❖ सभी प्रकार के हिंदी प्रशिक्षण में प्रशिक्षण के लिए कार्मिकों की व्यवस्था करना।
❖सभी कार्मिकों का हिंदी प्राज्ञ प्रशिक्षण पूरा हुआ है तथा अभी तक 60 प्रशिक्षार्थियों को पारंगत प्रशिक्षण के लिए भेजा गया हैं, लगभग सभी प्रशिक्षार्थी अच्छे गुणों से उत्तीर्ण हुए हैं।
❖कार्यालय के विभिन्न अनुभागों में प्रयोग होनेवाले शब्दों की एक संक्षिप्त अंग्रेजी हिंदी शब्दावली तैयार करने का कार्य जारी है।
❖ प्रशासनिक,वैज्ञानिक प्रकृति के अनुवाद में अनुभागों को सहयोग दिया जाता हैं। डी.डी. किसान, दूरदर्शन का किसान बुलेटिन, प्रादेशिक भाषा का बुलेटिन , कार्यालय में प्रकाशित बुलेटिन के आमुख तैयार किए जाते हैं।
❖ कार्यालय की वेबसाईट का हिंदी में कार्य करने का काम प्रगतिपर हैं।

हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

❖ इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता हैं। जिसमें पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र भी दिए जाते हैं। कार्मिको ने उत्साह के साथ सहभाग लिया ।

❖ समूह ‘ग’ हेतु दो प्रतियोगिताओं (निबंध तथा सामान्य ज्ञान) का अलग से आयोजन किया गया, ताकि समूह ‘ग’ के कर्मचारी भी अपनी हिचक छोड़कर प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।

किरणे हिंदी पत्रिका

❖ हिंदी पखवाड़े के अवसर पर कार्यालय के अधिकारियों/कर्माचारियों द्वारा वैज्ञानिक/हिंदी संबंधित एवं सामान्य/ भाषा संबंधी तथा अन्य विषयों पर लेखों/कविताओं का संकलन करके एक पत्रिका “किरणे” का प्रकाशन भी किया गया, जिसका विमोचन हिंदी पखवाड़े के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि तथा विभाग प्रमुख द्वारा किया गया।

❖किरणे हिंदी पत्रिका के मुखपृष्ठ केलिए एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विशेष उपलब्धियाँ

❖ सर्तकता जागरुकता सप्ताह में विशेष रुप से हिंदी प्रश्नमंच का आयोजन

❖हिंदी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की रिपोर्ट,विश्व मौसम दिवस की प्रेस विज्ञप्तियाँ तथा 150 स्कूलो को पत्र भेजे जाते हैं।

❖आय एम एस के कार्यक्रम तथा विशेष: स्कुल के छात्रों के लिए प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित कि गई।

धन्यवाद